नोएडा | मंगलवार, 02 सितंबर 2014

छोटे व्यापारियों के लिए बने विशेष कार्पोरेशन

नई दिल्ली (वार्ता)। देश के पांच करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मुहैया कराने वाले छोटे व्यापार क्षेत्र को सस्ता ऋण उपलब्ध कराने के लिए विशेष वित्तीय कार्पोरेशनों के गठन की जरूर बताई गई है।

जाने-माने अर्थशास्त्री एस. गुरुमूर्ति ने गैर-कार्पोरेट छोटे व्यापार के लिए औपचारिक फाइनेंस की मांग को लेकर गठित एक्शन समिति के राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन में इस बात पर बल

- **जाने-माने अर्थशास्त्री एस. गुरुमूर्ति ने दिया बल**

देते हुए कहा कि तथाकथित छोटे व्यापार से कुल पांच करोड़ 77 लाख लोगों की रोजीरोटी चलती है। यह गैर कृषि क्षेत्र में रोजगाररत लोगों की संख्या का 90 प्रतिशत है। लेकिन, जब इन छोटे व्यापारियों को कारोबार के लिए पैसे की जरूरत होती है तो बैंकों से उन्हें अपनी जरूरत का सिर्फ चार प्रतिशत ही मिल पाता है। शेष राशि के लिए उन्हें रिश्तेदारों, मित्रों और साहूकारों पर आश्रित रहना पड़ता है। ये साहूकार कर्ज तो समय पर दे देते हैं। लेकिन इसके बदले वे काफी ऊंची ब्याज वसूलते हैं। गुरुमूर्ति ने कहा कि इन व्यापारियों को सस्ता कर्ज उपलब्ध कराने के लिए विशेष वित्तीय कार्पोरेशन बनाने की जरूरत है जो वर्तमान बैंकिंग ढांचे से अलग हो।